



॥ श्री गायत्री स्तोत्रम् ॥
॥ मङ्गल करनिं गायत्री सुखधाम ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री गायत्री स्तोत्रम् ॥

नमामि त्वां वेदमातः प्रसन्नां,
जगद्धात्रीं ज्ञानरूपां दयालुम्।
त्रिलोकपूज्यां वरदां शुभां तां,
भजे सदा भक्तवत्सां भवानीम्॥
सावित्रीरूपां परमां पवित्रां,
ब्रह्मस्वरूपां श्रुतिसारभूताम्।
सर्वार्थदात्रीं करुणैकसिन्धुं,
वन्दे सदाऽहं जननीं जगत्याः॥
त्वमेव विद्या त्वममेयशक्तिः,
त्वमेव बुद्धिर्हृदि दीप्यमाना।
त्वमेव भक्तेः परमं निदानं,
त्वमेव मोक्षस्य शुभप्रदात्री॥
अज्ञानघोरान्धतमःप्रणाशि,
सत्यप्रकाशप्रभया विराजे।
धर्मस्य मार्गं प्रदिशस्व नित्यं,
चित्ते मम त्वं सदा संस्थिता स्याः॥
करुणासिन्धो कमलासनस्थे,
हंसाधिरूढे वरदाभयाङ्के।
भक्तानुकम्पे भव दुःखनाशि,
मां पाहि नित्यं जगदेकमाते॥
गायत्री देवि त्रिपदाक्षरात्मे,
वेदत्रयीसंस्तुतदिव्यरूपे।
मन्त्रस्वरूपे हृदि भावरम्ये,
भक्तिं च मे देहि परां प्रसन्ने॥
सद्बुद्धिदात्री सुखशान्तिदात्री,
आरोग्यदात्री यशसः प्रदात्री।
ऐश्वर्यदात्री भव भक्तपाले,

सर्व शुभं मे कुरु मातरद्य॥
त्वत्पादपद्मं शरणं प्रपद्ये,
त्वन्नाम नित्यं हृदि चिन्तयामि।
त्वत्कृपया मे सफलं हि जीवनं,
त्वमेव माता मम देवि नित्यम्॥

प्रार्थना

हे वेदमाता गायत्री!
मेरे मन, बुद्धि और चित्त को पवित्र करें।
सत्य, धर्म, ज्ञान और करुणा के मार्ग पर चलने की शक्ति दें।
मेरे जीवन को अपने दिव्य प्रकाश से आलोकित करें तथा समस्त
प्राणियों के कल्याण की भावना प्रदान करें।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"